पद (रैदास)

कक्षा - नवी

विषय – हिंदी
पाठ : १
पाठ का नाम : पद (रैदास)
PPT- 03

CHANGING YOUR TOMORROW

(2)

ऐसी लाल तुझ बिनु कउनु करै।
गरीब निवाजु गुसईआ मेरा माथै छत्रु धरै।।
जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढ़रै।
नीचहु ऊच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै॥
नामदेव कबीरु तिलोचनु सधना सैनु तरै।
कहि रविदासु सुनहु रे संतहु हरिजीउ ते सभै सरै॥

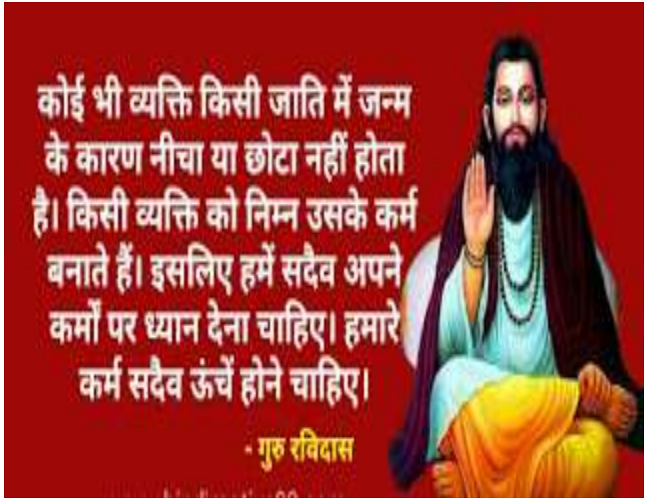

शब्दार्थ

लाल - स्वामी
कउनु - कौन
गरीब निवाजु - दीन-दुखियों पर दया करने वाला
गुसईआ - स्वामी, गुसाईं
माथै छत्रु धरै - मस्तक पर मुकुट धारण करने वाला
छोति - छुआछूत, अस्पृश्यता

जगत कउ लागै - संसार के लोगों को लगती है
ता पर तुहीं ढरै - उन पर द्रवित होता है
नीचहु ऊच करै - नीच को भी ऊँची पदवी प्रदान करता है
नामदेव - महाराष्ट्र के एक प्रसिद्ध संत, इन्होंने मराठी और हिंदी दोनों भाषाओं में रचना की है
तिलोचनु (त्रिलोचन) - एक प्रसिद्ध वैष्णव आचार्य, जो ज्ञानदेव और नामदेव के गुरु थे
सधना - एक उच्च कोटि के संत जो नामदेव के समकालीन माने जाते हैं
सैनु - ये भी एक प्रसिद्ध संत हैं, आदि 'गुरुग्रंथ साहब' में संगृहीत पद के आधार पर इन्हें रामानंद का समकालीन माना जाता है
हरिजीउ - हरि जी से

व्याख्या - इस पद में कवि भगवान की महिमा का बखान कर रहे हैं। कवि कहते हैं कि हे! मेरे स्वामी तुम बिन मेरा कौन है अर्थात कवि अपने आराध्य को ही अपना सबकुछ मानते हैं। कवि भगवान की महिमा का बखान करते हुए कहते हैं कि भगवान गरीबोंऔर दीन-दुःखियों पर दया करने वाले हैं, उनके माथे पर सजा हुआ मुकुट उनकी शोभा को बड़ा रहा है। कवि कहते हैं कि भगवान में इतनी शक्ति है कि वे कुछ भी कर सकते हैं और उनके बिना कुछ भी संभव नहीं है। कहने का तात्पर्य यह है कि भगवान की इच्छा के बिना दुनिया में कोई भी कार्य संभव नहीं है। कवि कहते हैं कि भगवान के छूने सेअछूत मनुष्यों का भी कल्याण हो जाता है क्योंकि भगवान अपने प्रताप से किसी नीच जाति के मनुष्य को भी ऊँचा बना सकते हैं अर्थात भगवान मनुष्यों के द्वारा किए गए कर्मों को देखते हैं न कि किसी मनुष्य की जाति को। कवि उदाहरण देते हुए कहते हैं कि जिस भगवान ने नामदेव,कबीर ,त्रिलोचन,सधनाऔर सैनु जैसे संतों का उद्धार किया था वही बाकी लोगों का भी उद्धार करेंगे। कवि कहते हैं कि हे ! सज्जन व्यक्तियों तुम सब सुनो, उस हरि के द्वारा इस संसार में सब कुछ संभव है।

संबंधित प्रश्न -

१- कवि ने निम्नकुल के भक्तों को समभाव स्थान देने वाले प्रभु का गुणगान करते हुए क्या कहा है?

२- कवि के अनुसार प्रभु ने किन - किन भक्तों का उद्धार किया है ?

३- कवि की दृष्टि से गरीबों और दीन - दुखियों का रक्षक कौन है क्यों ?

४- कवि ने प्रभुको किन - किन नामों से पुकारा है?

५- ' लाल' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

६- प्रस्तुत पद की भाषा क्या है?

गृहकार्य - पाठ के प्रश्नोत्तर का मौखिक अभ्यास कीजिए ।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP